18. अंधेरी नगरी

स्वाध्याय

महंत ने नगर की असलियत जानने पर क्या फैसला किया ?

- महंत ने नगर की असलियत जानकर वहा न रहने का निर्णय लिया |

अँधेरी नगरी में भाजी और खाजा किस भाव से बिकता था ?

- अँधेरी नगरी में भाजी और खाजा दोनों टके सेर भाव था |

कसाई ने भेड़ किससे मोल ली थी ?

- कसाई ने भेड़ एक गड़रिये से मोल ली थी |

महंत ने गोवर्धनदास को क्या सलाह दी थी ?

- महंत ने गोवर्धनदास को उस नगर में न रहने की सलाह दी थी, जहा टके सेर भाजी और टके सेर खाजा मिलता हो |

राजा फाँसी चढ़ने को क्यो तैयार हो गया ?

- राजा फाँसी चढ़ने को तैयार हो गया, क्योकि महंत ने कहा था की उस शुभ घड़ी में जो मरेगा वह सीधे स्वर्ग जाएगा |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

गोवर्धनदास ने खुश होकर अँधेरी नगरी में ही रहने का फैसला क्यो लिया ?

- गोवर्धनदास में महंत जैसी दूरदृष्टि नही थी | उसे बस अपना पेट भरने की चिंता रहती थी | अँधेरी नगरी में टके सेर मिठाई मिलती थी | गोवर्धनदास को मिठाई खाने का शौक था | अँधेरी नगरी में रहकर वह कम पैसो में भी भरपेट मिठाई खा सकता था | इसलिए उसने अँधेरी नगरी में ही रहने का फैसला लिया |

बकरी की मौत के लिए किस-किस को अपराधी ठहराया गया ? राजा ने किसे और क्यो फाँसी चढ़ाने का फैसला किया ?

- बकरी की मौत के लिए कल्लू बनिया, दीवार बनानेवाले कारीगर, चुनेवाले, भिश्ती, कसाई, गड़रिए और कोतवाल को अपराधी ठहराया गया | अंत में राजा ने कोतवाल को फाँसी पर चढ़ाने का फैसला किया |

गोवर्धनदास पर पछताने की बारी क्यो आ गई ?

- गुरु महंत का कहना न मानकर गोवर्धनदास ने अँधेरी नगरी में ही रहने का निर्णय किया था | उसने सोचा की कम खर्च में अधिक मजे के साथ वही रह सकता था | परंतु जब दुबला-पतला होने के कारण कोतवाल फाँसी से बच गया, तब सिपाहियो ने गोवर्धनदास को पकड़ा | सिपाहियो को न्याय-अन्याय और दोषी और निर्दोष की परवाह नही थी | उन्हे तो फाँसी पर चढ़ने लायक व्यक्ति की जरूरत थी | उन्हे तो फाँसी पर चढ़ने लायक व्यक्ति की जरूरत थी | उनके द्वारा पकड़े जाने पर गोवर्धनदास को पछताने की बारी आई |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

महंत गोवर्धनदास की जान बचाने में सफल कैसे हो गए ?

- जब गोवर्धनदास को फाँसी पर चढ़ाया जानेवाला था, तभी उसके गुरु महंतजी वंहा पहुच गए | गुरु ने शिष्य के कान में कुछ कहा और फिर गुरु-शिष्य फाँसी पर चढ़ने के लिए आपस मे हुज्जत करने लगे | इससे सिपाही चकित हो गए | राजा, मंत्री और कोतवाल भी वंहा पहूच गए | पुछने पर महंत ने बताया की उस मुर्हुत में फाँसी पर चढ़नेवाला सीधा स्वर्ग जाएगा | स्वर्ग के लालच में चौपट राजा खुद फाँसी पर चढ़ गया | इस प्रकार महंत गोवर्धनदास की जान बचाने में सफल हो गए |

पाठ को 'अँधेरी नगरी' शीर्षक क्यो दिया गया है ?

- एक कहावत है की 'यथा राजा तथा प्रजा' | तो यह पाठ की कहानी भी पूरी तरह ये कहावत से मीलती है |
- यह कहानी मे एक दीवार गिरने के अपराध में कईयो पर दोष मढ़ा जाता है, पर अपने-अपने बचाव में सब सफल हो जाते है | अंत में कोतवाल दोषी साबित होता है, जिसका घटना से कोई संबंध नही है | राजा उसे फाँसी देने का हुक्म देता है | कोतवाल की पतली गरदन फाँसी के बड़े फंदे के लायक नही, इसलिए मोटे-ताजे गोवर्धनदास को पकड़ा जाता है | अंत में महंत की चतुराई से राजा स्वयं फाँसी पर चढ़ जाता है |
- इस प्रकार अँधेरी नगरी सचमुच अँधेरी नगरी है | यंहा सच और झूठ में कोई भेद नही किया जाता | यंहा न कोई कानून है, न व्यवस्था | अपराध कोई करता है और दंड किसी और को दिया जाता है | इसलिए पाठ को 'अँधेरी नगरी' शीर्षक दिया गया है |

आशय स्पष्ट किजिए |

अँधेरी नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा |

- मूर्ख राजा के राज्य में अच्छे-बुरे, साधारण-विशेष, उचित-अनुचित में कोई अंतर नही होता | खाजा जैसी महंगी मिठाई भी भाजी के भाव बेची जाती है | न्याय-अन्याय में भी कोई फर्क नही रखा जाता | राज्य में सब जगह अंधेर ही अंधेर दिखाई देता है |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आशय स्पष्ट किजिए ।

राजा के जीते जी और कौन स्वर्ग जा सकता है ? हमको फाँसी चढ़ाओ, जल्दी करो ।

- राजा को बताया गया की फाँसी पर चढ़ने की वह बहुत शुभ घड़ी थी । उस समय फाँसी पर चढ़नेवाला सीधा स्वर्ग जाएगा । मूर्ख राजा स्वर्ग के लालच में आ गया । बुद्धि-विवेक का उसमें घोर अभाव था । महंत की चाल में फँसकर वह फाँसी पर चढ़ने के लिए तैयार हो गया । उसकी मूर्खता ही उसका राजहठ बन गई ।

महंत अँधेरी नगरी में ..... रहना नही चाहते । (यथासमय, क्षणभर)

- क्षणभर

मंत्री और नौकर लोग ..... बैठे है । (इकट्ठा, यथास्थान)

- यथास्थान

कोतवाल तूने ..... धूमधाम से क्यो निकाली ? (मिठाई, सवारी)

- सवारी

निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए :

(1) मठ का मुखिया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(2) न्याय माँगनेवाला

(3) तरकारी बेचनेवाली स्त्री

(4) चमड़े की खाल का बड़ा थैला

(5) भेड़-बकरियाँ चरानेवाला

(6) मिठाई बनानेवाला

(1) महंत

(2) फरियादी

(3) कुंजड़िन

(4) मशक

(5) गड़रिया

(6) हलवाई

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in